

प्राचेखंड ग्रोक्षे (LESSON-1)

നലാർല് गाए നിയാ (SARDAR BHAGAT SINGH)

प्राप्त : प्रेष्पार्येम ऋएँद्रिक्ष एर्गियक (Writer: Chongtham Manihar Singh)

ෆීਟෆළෆ (SOLUTIONS)

र्टेटहाण लक्षा

९॥ लिमालेक सिद्धकारि स्वाभिति ?

गुर्जे शहर सहस्याचे प्रस्ता हे स्वार्ध होता है स्वार्ध है स्वार्ध होता है स्वार्ध है स्वार्ध होता है से स्वार्ध है स्वार्ध होता है से स्

गार्ष्य लियाज स्मर्भा लियाज स्मर्भा स्मर्भा मार्थियाज्ञी?

गोर्जः ९९०% (1907) रु गाएएटेर लुख्ना एेण्या ग्रेर <u>टर</u>ोनगाक टीटोार्ग स्टापन देर ॥ ज्रियां जा राष्ट्रियां प्रधाप

& II गार्ष्य लिएटए लेडक प्रेडिक देवेपार्या रहेपा स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध

गोंद्र: गाण्यलीक ए देन्नेभाग ही पा॰ गिष्मद॰रह हमदिधीह सन्नेपाए दीप्रस्पार लेखन त्ररिष्टा विषय प्रतिष्ट प्रतिष्ट स्वाधित स म अवाधनमञ्जम ह्याहर मध्यम प्राप्तिन विष्य एक स्वाधन मार्थ क्रिक क्ष्य क्षित्र क्ष्य क्षित्र क्ष्य क्षित्र क्ष्य मेब्रह्म ॥

श्रुद्धर्द प्रामम गाप्पिलाय हुए हे भिम्न पार्वाण भ्याप ॥ इ

गोर्ज्ञः गाण्य लियां मिन्न वेंट्र वालीयज्ञी

- മ്പ്രൂസ്ത് പ്രൂപ്പുള്ള പ്രംഗംഗുള്ള പ്രൂപ്പുള്ള പ്രപ്രപ്രപ്രപ്രവേശം പ്രപ്രപ്രപ്രപ്രപ്രവേശം പ്രപ്രപ്രപ്രപ്രപ്രപ ment of Manipur
- ल) एँटागेख गोभ्रम् लगे

्राण्य शिवा १९४० जुड्ड शब्दे विदेश पाय्यक <u>भर</u>ल**्ख**्ट पार्वाल भणार 2 हो शाह कि उ

गोद्धः 'क्र गार<u>हरी</u>ण ल॰हर्ग हिन् प्रसला 'क्र <u>उथ</u>िक क्रिया पर हिन् पर प्रस्ति कर प्रम् कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रस्ति कर प्रमा कर प्रस्ति कर प भणार स्वाप्टम १<u>०७४</u> मार्ग पाणाया विकास विकास मार्ग पाण्य प उन्हें हवारिक ॥ रिकारिक मसमक्र महि योजक दर्भस मिरिक विद्याल हवाल **भर्रोह** एवरभणायाँ एक प्राचित कि विकास विवास कि प्राचित कि प्राचि រង្គ្រាស្ត្រ ន្ទេន្ទេន (1931) देळेभाग ल॰ख्युमा त०॰ख्युमा त०॰ प्राप्त प्र प्राप्त प्

९॥ गाण्य लिक्स मार्थ त्यायाण प्राह्म त्याप प्रोह्म स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

अ॥ देंडेण एकि सिक्स क्रिक्स क्रिक्स अध्या स्थान क्रिक्स होते अध्या है । १६

आल्रसण हाणीय ८०६०२ उल्लेस स्वाचित हिल्ला स्वाचित स्वाचित प्रत्य हिल्ला स्वाचित हिल्ला हिल्ल